दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 03 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 307

महत्वपूर्ण एवं खास

तालाब में नहाने गए तीन बच्चे दो बालिकाओं की डूबने से मौत

खरगोन (आरएनएस)। जिले के ग्रामीण अंचल में एक दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें दो मासूम बालिकाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल थाना बलकवाड़ा के अंतर्गत आने वलो कुंडिया तालाब में करीब 11 से 13 साल के तीन बच्चे नहाने उतरे थे, लेकिन अचानक वे पानी में डूबने लगे। इसके बाद 13 वर्षीय एक बालक तो किसी तरह बचकर बाहर निकल आया। वहीं 11-11 साल की दो मासूम बालिकाओं की इसी दौरान डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर ग्रामीण पहुंचे और दोनों बालिकाओं को भी बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। बताया जा रहा है थक तीनों बच्चे तालाब के आसप ास मवेशी चराने गए थे। यहां तालाब ददेख्ख पानी में नहाने उतर गए। इधर घटना की जानकारी लगते ही पूरे गांव में मातम पसर गया और बच्चों के पिरजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

नालंदा में बाइक सवार दो युवकों पर गिरा ताड़ का पेड़, हुई मौत

नालंदा (आरएनएस)। बिहार के नालंदा में उस वक्त अफरातफरी का माहौल बन गया जब लोगों को सूचना मिली कि दो युवकों पर खजूर का पेड़ गिर गया है और उनकी मौके पर ही मौत हो गई है। लोग दौड़े-दौड़े पहुंचे। यहां पर खून से लथपथ दो युवक पेड़ के नीचे दबे हुए थे। यह दर्दनाक हादसा नालंदा में हुई है। बताया जा रहा है कि पैला पोखर कागजी मोहल्ला के समीप अचानक बाइक सवार के ऊपर ताड़ का पेड़ गिर गया जिससे दो बाइक सवार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। ताड़ का पेड़ गिरने से यातायात पूर्ण रूप से बंद हो गया और इलाके में बिजली सप्लाई भी बाधित हुई। मृतक की पहचान इमादपुर निवासी मोहम्मद शाहबाज और सुजाऊल के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक इलाके में आधार कार्ड बनाने का काम करते थे। किसी काम के सिलसिले में वो दोनों बाइक से बाजार गए थे। इसी दौरान उन पर ताड़ का पेड़ गिर गया। हालांकि, जब तक लोग मदद के लिए पहुंचते, दोनों की मौत हो गई थी। इधर, स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस थाने से पुलिसकर्मी आए। साथ ही जिला प्रशासन को भी इस बारे में जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक पलासिया मौके पर पहुंच गए। घटना पर स्थानीय निवासी मोहम्मद चंदा अली ने कहा कि हमें फोन कर सूचना दी गई कि मोहम्मद शाहबाज और सुजाऊल के ऊपर ताड़ का पेड़ गिर गया है। सूचना मिलने पर हम मौके पर पहुंचे। ये दोनों मेरे मोहल्ले के पास ही रहते थे। जीविका चलाने के लिए लोगों का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र बनाने का काम करते थे।

दिल्ली में फिर मिली स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, देर रात आया ई-मेल; प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस)। ईस्ट ऑफ कैलाश के समर फील्ड स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी एक ईमेल के जरिए स्कूल को भेजी गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड की टीम मौके पर पहुंची एहतियात के तौर पर पुलिस ने स्कूल को खाली कराया। इसके बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड सहित अन्य टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में स्कूल के अंदर कुछ नहीं मिला। समर फील्ड्स स्कूल की प्रिंसिपल शालिनी अग्रवाल ने बताया हमें देर रात एक ईमेल मिला, जिसे आज सुबह चेक किया गया। एसओपी के अनुसार, हमने ईमेल प्राप्त होने के 10 मिनट के भीतर छात्रों को निकाल लिया। हमने पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया। हम पुलिस के आभारी हैं कि उन्होंने हमारा भरपूर समर्थन किया क्योंकि वे तुरंत आ गए। यहां शायद ही कोई छात्र है, हम बस कुछ अभिभावकों के आने और अपने बच्चों को लेने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस और बम निरोधक दस्ता यहां मौजूद है और वे जांच कर रहे हैं परिसर अभिभावकों के बीच बिल्कुल भी घबराहट नहीं थी। बता दें इससे पहले मई महीने में राजधानी और पड़ोसी नोएडा के कम से कम 150 स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिलने के बाद दिल्ली सरकार ने बुधवार को स्कूलों को एक परामर्श जारी कर उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उनके आधिकारिक आईडी पर प्राप्त ई-मेल को समय से देख लिया जाए।

वायनाड भूस्खलन में मरने वालों का आंकड़ा 290 के पार, 206 अभी भी लापता

वायनाड | आरएनएस

वायनाड भूस्खलन में शुक्रवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 297 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि 206 लोग अभी भी लापता हैं। केरल की अब तक की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा के चौथे दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। विभिन्न बलों के अलावा स्थानीय लोगों से ली गई एक हजार से अधिक सदस्यीय बचाव टीम को नौ समूहों में बांटा गया है, जो लोगों की मदद करने और लापता लोगों की तलाश के लिए प्रयास कर रही है।

भूस्खलन से सबसे अधिक प्रभावित चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पुंचिरीमाडोम क्षेत्र हैं। अब 190 फुट ऊंचे बेली ब्रिज के निर्माण के साथ, चूरात्माला और मुंडकाईल के बीच संपर्क बहाल हो गया है।

स्निफर कुत्तों को भी कार्य पर लगाया गया है। बचाव दल भारी मिट्टी हटाने वाले उपकरणों से भी लैस है। अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि प्रभावित स्थानों में से एक स्थान पर कुछ घर दबे हुए हैं, जहां वे जा रहे हैं।

अधिकारी ने कहा, जिस स्थान पर हम जल्द ही पहुंच रहे हैं, वहां करीब 10 घर हैं और हमें जो बताया जा रहा है उसके अनुसार वहां कुछ लोग हो सकते हैं, शायद जीवित हों। वर्तमान में 91 राहत शिविरों में 9,328 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

98 घंटे बाद मलबे से जिंदा मिले चार लोग

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... यह कहावत उस समय बिल्कुल सही साबित हुई, जब केरल के वायनाड में मलबे से चार दिन बाद चार लोग जिंदा मिले। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। बता दें कि इस हादसे अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। इसके अलावा 105 लोगों के शव का कोई न कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है।

बता दें कि सेना, नेवी और एयरफोर्स के साथ बचावकर्मियों की 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग-अलग भागों में बांटने की बात चल रही है। भारतीय वायुसेना हिंडन एयर बेस से वायनाड के लिए जल्द सी-130 विमान उड़ाने जा रही है। यह विशेष ड्रोन सिस्टम के साथ-साथ विशेषज्ञों की टीम को वायनाड ले जाएगा, ताकी मिट्टी के नीचे फंसे लोगों की निगरानी की जा सके। ये ड्रोन सिस्टम मिट्टी के नीचे फंसे लोगों की तलाश करेंगे।

उत्तराखंड में भारी बारिश बनी आफत : केदारनाथ में एयरलिफ्ट हुए मप्र के 51 लोग, पीएम मोदी लगातार ले रहे अपडेट

देहरादून | आरएनएस

उत्तराखंड में भारी बारिश और आपदा से उत्पन्न स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नजर रखे हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पूरी स्थिति की जानकारी ली है। रेस्क्यू के लिए एयर फोर्स का चिनूक एमआई 17 रवाना किया गया है। तीन टैंकर एटीएफ (एविएशन टरबाइन फ्यूल) की मदद भी भेजी गई है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर पीएमओ ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। इसके साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी स्थिति की जानकारी ली है।

मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों के साथ स्थिति का अपडेट ले रहे हैं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर मौके पर प्रभावितों को हर संभव सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे यात्रियों को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ ने देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

मुनकटिया क्षेत्र से देर रात 450 यात्रियों को सकुशल सोनप्रयाग पहुंचाया। अभी तक 2200 से अधिक यात्रियों को निकाला जा चुका है। आज भी रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी रहेगा।

वहीं केदारनाथ में फंसे मध्य प्रदेश के 51 लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित निकाला गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि चारधाम की यात्रा के दौरान केदारनाथ में फंसे राज्य के 61 में से 51 यात्रियों को एयरलिफ्ट करके सुरक्षित रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया है।

सीएम ने आगे कहा कि बाकी बचे 10 यात्री केदारनाथ में ही सुरक्षित जगह पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शिवपुरी के बदरवास क्षेत्र के कुल 61 लोग एक बस तथा अन्य चार पहिया वाहन लेकर केदारनाथ दर्शन के लिए गए थे। यह सभी भूस्खलन के कारण वहां फंस गए। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने उत्तराखंड सरकार से संपर्क कर उन्हें एयरलिफ्ट कराया। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार की कोशिश है कि किसी भी यात्री को कोई परेशानी न हो। धार्मिक यात्रा के दौरान वर्षा जनित कठिनाइयों के कारण यह घटना हुई है, सभी यात्री ठीक हैं।

फिलहाल नहीं खुलेगा शंभू बॉर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के दिए आदेश

नई दिल्ली | आरएनएस

फिलहाल शंभू बॉर्डर खुलने के आसार नहीं दिख?रहे।?आज इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।?अदालत में हरियाणा की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए और उन्होंने अदालत से एक्सपर्ट का नाम फाइनल करने के लिए समय मांगा और सुनवाई टालने की अपील की। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। सुनवाई में कोर्ट ने फैसला दिया है कि शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा।

बॉर्डर पर यथास्थिति बनी रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। शंभू बॉर्डर के खोलने संबंधी पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों को हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर को लेकर हरियाणा और पंजाब से दो टूक कह दिया है या तो दोनों राज्य राष्ट्र हित में किसानों के मुद्दे को सुलझाएं, ?वरना अदालत दखल देगी।?कोर्ट ने कहा- समाधान ही सीमा को खोलना है।?

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास कुछ अच्छे सुझाव हैं, मान लीजिए कि अगर कोई एम्बुलेंस या वरिष्ठ नागरिकों को लेकर कोई कार आ रही है तो वे पैदल नहीं जा सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्य सरकारों को कहा कि हमारे सुझाव पर विचार करके हमें बताएं, फिलहाल शंभू बॉडर पर यथास्थिति बरकरार रहेगी।

चुनावी बॉन्ड योजना की नहीं होगी एसआईटी जांच, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली | आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड (ईबी) का उपयोग कर चुनावी वित्तपोषण में कथित घोटाले की न्यायिक निगरानी में एसआईटी से जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने 15 फरवरी को इस योजना को असंवैधानिक ठहराया था और इसे रद्द कर दिया था।

दो गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) में राजनीतिक दलों, निगमों और जांच एजेंसियों के बीच स्पष्ट लेन-देन का आरोप लगाया गया है। याचिका में चुनावी बॉन्ड योजना को घोटाला करार दिया गया, जिसके तहत अधिकारियों को शेल कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों के वित्तपोषण के स्रोत की जांच करने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों को दान दिया था, जैसा कि चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा था कि गुमनाम चुनावी बॉन्ड योजना अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। न्यायालय ने कहा था कि राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया में प्रासंगिक इकाई हैं और चुनावी विकल्पों के लिए राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के बारे में जानकारी आवश्यक है। दायर की गई याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉन्ड घोटाले में 2जी घोटाले या कोयला घोटाले के विपरीत धन का लेन-देन होता है, जहां स्पेक्ट्रम और कोयला खनन पट्टों का आवंटन मनमाने ढंग से किया गया था, लेकिन धन के लेन-देन का कोई सबूत नहीं था। फिर भी इस अदालत ने उन दोनों मामलों में अदालत की निगरानी में जांच का आदेश दिया, विशेष सरकारी अभियोजकों को नियुक्त किया और उन मामलों से निपटने के लिए विशेष अदालतें बनाई।

चुनावी बॉन्ड 2018 में पेश किए गए थे और राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान के विकल्प के रूप में पेश किए गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एजेंसियों द्वारा जांच के दायरे में आने वाली कई फर्मों ने संभावित रूप से जांच के परिणाम को प्रभावित करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी को बड़ी रकम दान की है।

बंगाल राशन वितरण घोटाला

ईडी ने टीएमसी नेता और उसके भाई को किया गिरफ्तार

कोलकाता | आरएनएस

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता और उसके भाई को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अनिसुर रहमान उर्फ बिदेश और उसके छोटे भाई अलिफ नूर उर्फ मुकुल के रूप में हुई है। सम्मन किए जाने पर, दोनों गुरुवार दोपहर को पूछताछ के लिए साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय (सीजीओ) परिसर में ईडी के कार्यालय पहुंचे थे। सूत्रों ने बताया कि करीब 14 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद, शुक्रवार को करीब 2.30 बजे ईडी अधिकारी ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों को बाद में कोलकाता में पीएमएलए की एक विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ईडी के वकील मामले में आगे की पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेंगे।

इससे पहले मंगलवार को ईडी के अधिकारियों की एक टीम ने उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा सामुदायिक विकास खंड में बेराचम्पा में हाई टेक राइस मिल के कार्यालय में मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। ये दोनों बिदेश और मुकुल की मिलें है।

उसी दिन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के साथ ईडी अधिकारियों की विभिन्न टीमों ने उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में नौ अन्य स्थानों पर मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था।

बिदेश और मुकुल व्यवसायी बकीबुर रहमान के चचेरे भाई हैं, जिन्हें ईडी अधिकारियों ने इसी मामले में सबसे पहले गिरफ्तार किया था।

छापे और तलाशी अभियान के दौरान, केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने मामले में बिदेश और मुकुल की संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए कई अहम दस्तावेज बरामद किए थे। राज्य के पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली कोचिंग हादसे को लेकर हाईकोर्ट का आदेश, तीन छात्रों की मौत के मामले की जांच करेगी सीबीआई

नई दिल्ली | आरएनएस

दिल्ली हाईकोर्ट ने ओल्ड राजेंद्र नजर स्थित राऊ आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत के मामले में शुक्रवार को सीबीआई जांच के आदेश दे दिए। हाईकोर्ट ने कहा है कि सेंट्रल विजिलेंस कमीशन की निगरानी में सीबीआई इस मामले की जांच करेगी।

दिल्ली नगर निगम कमिश्नर ने सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया कि इलाके में बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर निवासियों और दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिसके चलते बरसाती पानी की निकासी में दिक्कत होती है।

नगर निगम कमिश्नर ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इलाके में अवैध निर्माण और अनधिकृत अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाएगा और एमसीडी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश देने के साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था में सुधार करने के लिए कहा है।

बता दें कि बीते दिनों दिल्ली में हुई बारिश से ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में पानी भर गया था और उसमें डूबकर यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र और दो छात्राओं की मौत हो गई थी।

इस मामले में दिल्ली सरकार ने मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए थे। दिल्ली पुलिस ने कोचिंग मालिक अभिषेक गुप्ता और कोऑर्डिनेटर देशराज सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

रांची में अधिवक्ता की दिनदहाड़े चाकू से गोदकर हत्या, हमलावर फरार

रांची | आरएनएस

रांची के सुखदेव नगर इलाके में एक अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार दोपहर हुई इस वारदात की सूचना पाकर कोतवाली इलाके के डीएसपी सहित कई पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे।

हत्या किसने की और इसकी वजह क्या है, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है। वारदात को लेकर रांची के अधिवक्ताओं में गुस्से का उबाल है।

बताया गया है कि अधिवक्ता गोपाल कृष्ण सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के मधुकम स्थित अपने घर के पास एक दुकान में कागजात की जेरॉक्स कराने गए थे, तभी एक व्यक्ति ने उनके पेट, पीठ और सिर पर चाकू से कई वार किए। वह बुरी तरह घायल हो गए। शोर मचाने पर स्थानीय लोग दौड़े, लेकिन हमलावर भागने में सफल रहा। घायल अधिवक्ता को तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस इस मामले में कई लोगों से पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है कि यह किसी रंजिश का परिणाम हो सकता है। घटनास्थल से सैंपल कलेक्ट करने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया जा रहा है। गोपाल कृष्ण रांची सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। उनकी हत्या की खबर मिलते ही सिविल कोर्ट बार के तमाम अधिवक्ता उत्तेजित हो उठे। जिला बार एसोसिएशन की आपात बैठक चल रही है। इसके बाद वे विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं।

रांची शहर में हाल के दिनों में हत्या, लूटपाट, गोलीबारी और अपराध की बढ़ती घटनाओं की वजह से कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

सावन की शिवरात्रि पर हर-हर महादेव के उद्घोष से शिवालय गुंजायमान

नई दिल्ली | आरएनएस

देश भर के शिव मंदिरों में शुक्रवार को कांवडियों के आने का सिलसिला जारी रहा। उनके चेहरे पर वह मुस्कान देखने को मिली। जो इस बात का प्रमाण है कि उनकी कांवड़ यात्रा 2024 सफल रही है। शिव मंदिरों में हर हर महादेव के जयकारों के साथ कांवडियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

शिवरात्रि के खास मौके पर मंदिरों को सजाया गया है। मंदिरों के बाहर और अंदर किसी भी कांवड़िए को परेशानी न हो, इसलिए मंदिर प्रशासन द्वारा उचित व्यवस्था की गई थी। शिवरात्रि पर कांवड़िए हरिद्वार से लाया पवित्र गंगा जल भगवान शिव को अर्पण कर रहे हैं।

हरियाणा के रेवाड़ी में सुबह से ही शिव भक्तों द्वारा शिवालयों में जलाभिषेक करने कीहोड़ शिवभक्तों में दिखी। चारों ओर हर हर महादेव के जयकारों का उद्घोष सुनाई दे रहा था। वहीं दूसरी ओर शहर के मुख्य शिवालयों में कांवडियों ने हरिद्वार से लाई गई पवित्र कांवड़ अर्पित करने के साथ पवित्र गंगाजल ?र पंचामृत के साथ भगवान शिव का पूजन अर्चन कर रहे थे।

बाबा भोले की नगरी वाराणसी में भी सुबह से ही मंदिरों में भक्तगण मंदिरों में जुटने लगे। शिवरात्रि के मौके पर भगवान विश्वनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया है। मंगला आरती के बाद बारी-बारी से कांवडियों ने बाबा का जलाभिषेक किया। प्रशासन की ओर से कांवडियों के लिए खास व्यवस्था की गई है। व्यवस्थाओं की तारीफ पटना से वाराणसी पहुंचे एक शिव भक्त ने भी की। प्रसन्न भक्त ने बताया कि शविरात्रि के खास मौके वाराणासी आए हैं। यहां के बारे में काफी सुना है। आज भीड़ है लेकिन, बाबा का दर्शन ठीक तरह से कर लिया। यहां लोग कतारबद्ध भोले बाबा पर जल चढ़ाने की प्रतिक्षा में डटे दिखे। एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि 3 घंटे से लाइन में लगे हैं। लेकिन जल चढ़ाकर ही घर लौटेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ सबकी मनोकामना पूर्ण करें। आज की शिवरात्रि काफी खास है। मंगल संयोग बन रहा है आज सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जिसमें की गई पूजा विशेष लाभ पहुंचाती है।